राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा), उ0प्र0

सर्जना

अगस्त 2025 | अंक: 18

संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एचएफए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने की समीक्षा

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से गरीबों व जरूरतमंदों को मिलने वाले घर सिर्फ चारदीवारी व छत ही नहीं है बल्कि यह उनके सुनहरे व सुरक्षित भविष्य की बुनियाद भी हैं। उक्त बातें दिनांक 4 जुलाई 2025 को सूडा भवन में श्री कुलदीप नारायण, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एचएफए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 एवं लाइट हाऊस प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा के दौरान कही।

उक्त समीक्षा बैठक में संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के बी0एल0सी0 घटक में लम्बित 64,105 आवासों का कार्य नियमित रूप से अनुश्रवण करके मिशन अवधि दिसम्बर, 2025 तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाये, जिसके सन्दर्भ में निदेशक, सूडा श्रीमती अपूर्वा दुबे द्वारा लम्बित आवासों को मिशन अवधि में पूर्ण किये जाने का आश्वासन दिया गया।

इसके साथ ही ए0एच0पी0 घटक में लम्बित 16,772 आवासों को मिशन अवधि में पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये, जिसमें आ रही कठिनाईयों के निवारण हेतु आवास एवं विकास परिषद एवं आवास बन्धु तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गयी, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के घटक हेतु संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी आबादी वाले प्रदेश में किफायती दरों पर आवासीय परिसरों के निर्माण की संख्या को बढ़ाना जरूरी है, जिससे लोगों को कम लागत में सभी बुनियादी सुविधाओं से युक्त आवासीय परिसर उपलब्ध हों।

इस बैठक में श्रीमती अपूर्वा दुबे, निदेशक, सूडा, श्री संजीव गुप्ता, वित्त नियन्त्रक, सूडा, श्रीमती मोनिका वर्मा, सहायक निदेशक, सूडा, श्री अतुल सिंह चौहान, कार्यक्रम अधिकारी, सूडा एवं समस्त एस0 एल0टी0सी0 विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसके साथ ही बैठक में श्रीमती नम्रता सिंह, अपर नगर आयुक्त, लखनऊ, श्री सी0 पी0 त्रिपाठी, अपर सचिव, लखनऊ विकास प्राधिकरण, श्री अभिषेक शुक्ला, सहायक आवास आयुक्त, श्री प्रमोद कुमार, एसई, प्रोजेक्ट्स, श्री एचके वाधवा, ओएसडी, आवास विकास परिषद, श्री श्यामचरण राय, एडवाइजरी इंजीनियर, आवास बंधु, श्री चंद्रकांत त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी, डूडा, लखनऊ, श्री अजय शाह, मै0 जैम सस्टेनेबल एलएलपी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निदेशक सूडा ने किया लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण

निदेशक सूडा श्रीमती अपूर्वा दुबे ने दिनांक 25 जुलाई 2025 को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि उक्त प्रोजेक्ट में जो भी काम अभी तक पूर्ण नहीं हो पाएं हैं, उनको त्वरित गति से पूरा कर लाभार्थियों को जल्द से जल्द उनके आवासों पर कब्जा दिलाया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत अवध विहार योजना में लाइट हाउस प्रोजेक्ट निर्मित है। नवीनतम तकनीकी स्टे-इन प्लेस-फायरवर्क्स सिस्टम विद-पीईबी स्ट्रक्चर पर आधारित एलएचपी के निर्माण की जिम्मेदारी जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी को दी गई थी। एलएचपी में कुल 1040 फ्लैटों का निर्माण किया गया है। उक्त निरीक्षण कार्यक्रम में निदेशक सूडा ने अपूर्ण कार्यों का गहनता से निरीक्षण किया तथा इस विषय में निर्माण संस्था के जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल-जवाब भी किए। निदेशक सूडा ने निर्माण संस्था के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सभी अपूर्ण कार्य निश्चित समय अवधि में पूरे किए जाएं।

इस दौरान निदेशक सूडा ने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों से मुलाकात भी की तथा उनकी समस्याओं के विषय में जाना। निदेशक सूडा ने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराया जाएगा।
उक्त निरीक्षण में कार्यक्रम अधिकारी सूडा, श्री अतुल सिंह चौहान, निर्माण संस्था जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

निदेशक सूडा ने की मुख्यमंत्री अल्प विकसित एवं मलिन बस्ती विकास योजना की प्रगति की समीक्षा

दिनांक 18 जुलाई 2025 को सूडा भवन में निदेशक सूडा, श्रीमती अपूर्वा दुबे ने मुख्यमंत्री अल्प विकसित एवं मलिन बस्ती विकास योजना की प्रगति की समीक्षा की। उक्त बैठक में निदेशक सूडा ने सभी जनपदों के परियोजना अधिकारियों को निर्देश दिया कि दिनांक 23 जुलाई तक प्रत्येक दशा में कार्य योजना तैयार कर मुख्यालय को प्रेषित करें।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिन जनपदों द्वारा योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतते हुए अभी तक द्वितीय किस्त की मांग नहीं की गई है, वे तत्काल इस दिशा में कार्य करें तथा उक्त योजना के अन्तर्गत जिन जनपदों में कार्यों की स्वीकृति होने के बाद कार्य प्रारंभ नहीं हुए हैं, वो प्रत्येक दशा में शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उक्त बैठक में सहायक निदेशक सूडा, श्रीमती मोनिका वर्मा भी उपस्थित रहीं तथा समस्त जनपदों के परियोजना अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

हम गढ़ रहे हैं सुनहरे भविष्य के सपनेः पुष्पा देवी

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी ने लाखों परिवारों के उनके पक्के घर के सपने को साकार किया है। योजना के माध्यम से मिले अनुदान से बने घर सिर्फ चारदीवारी व छत ही नहीं हैं बल्कि ये गरीबी व बेरोजगार से लड़ने का सशक्त माध्यम भी बने हैं। कुछ ऐसी ही कहानी जनपद गोरखपुर में रहने वाली श्रीमती पुष्पा देवी की है।

जनपद गोरखपुर में रहने वाली पुष्पा देवी और उनका परिवार परंपरागत रूप से टेराकोटा की मूर्तियों का निर्माण करता है। इस परिवार के जीविकोपार्जन का एक मात्र साधन मूर्तियों का निर्माण करना ही है। आज प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी से आच्छादित होने के बाद इस परिवार की आर्थिक व सामाजिक स्थिति दोनो ही पहले से बेहतर हुई हैं।

श्रीमती पुष्पा देवी बताती हैं कि हमारा परिवार टेराकोटा की मूर्तियों का निर्माण करता है। पहले कच्चा घर होने के कारण हमको बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कच्चा घर होने के कारण छत से सिर्फ पानी ही नहीं टपकता था, वो पानी हमारी मेहनत और

रोजी-रोटी पर भी गिरता था। हमारी मेहनत से तैयार की गईं मूर्तियां एक झटके में ही बर्बाद हो जाती थीं। मौसम चाहे बरसात का हो या फिर ठंडक या गर्मी का, मौसम की मार से हमारा नुकसान होता ही रहता था। कच्चा घर होने के कारण हम मूर्ति निर्माण से संबंधित कच्चा माल भी अपने घर में नहीं स्टोर कर पाते थे। परिवार की हालत यह थी कि हम दो वक्त की रोटी के लिए ही संघर्ष कर रहे थे। ऐसे वक्त में हमने कभी भी पक्के घर का सपना भी नहीं देखा था। फिर हमको समाचार पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की विषय में जानकारी हुई। जिसके बाद हमने स्थानीय डूडा कार्यालय जाकर संपर्क स्थापित किया। हमारी पात्रता जांच के लिए डूडा के अधिकरियों द्वारा कुछ आवश्यक अभिलेख लिए गए। जिसके पश्चात जांच के उपरांत हमें पात्र पाया गया व तीन चरणों में हमको ढाई लाख रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ। जिससे हमने तय मानको के अनुसार अपने कच्चे घर को पक्का बना लिया। घर पक्का बन जाने से हमें कई परेशानियों से छुटकारा मिल गया। अब हमें अपने मूर्ति निर्माण के काम में मौसम के तेवरों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। मूर्ति निर्माण के लिए हमें जिस कच्चे माल की आवश्यकता होती है उसको अब हम अपने घर में ही स्टोर कर लेते हैं। इतना ही नहीं अब हमने अपने घर में एक गोदाम भी बना लिया है, जिसमें हम अपनी बनाई हुई मूर्तियों को सुरक्षित रखते हैं। पक्का घर हो जाने से अब हमको अपने इस काम में अच्छा लाभ होने लगा है क्योंकि पहले कच्चा घर होने के कारण काफी नुकसान होता था, जो अब नहीं होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी ने हमको सिर्फ पक्का घर ही नहीं दिया है बल्कि हमारे सुरक्षित व सुनहरे भविष्य का आधार भी दिया है। अब हम सिर्फ मूर्तियां ही नहीं बना रहे हैं बल्कि अपने सुनहरे भविष्य के सपने भी गढ़ रहे हैं।

स्वयं सहायता समूह बना परिवर्तन की बुनियाद

स्वयं सहायता समूह महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहे हैं। एसएचजी से जुड़कर महिलाएं सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। घर की चारदीवारी के बाहर निकल कर महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हो रही हैं। स्वयं सहायता समूह महिलाओं के हुनर को पहचान देने का सफल व सशक्त माध्यम बने हैं।

जनपद फिरोजाबाद निवासी श्रीमती नीतू शर्मा की पहचान आज समाज में उनके काम की वजह से है। आज उनकी आर्थिक स्थिति भी पहले से बेहतर हो गई है, उनके बच्चे शहर के प्रतिष्ठित स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। लेकिन कुछ वर्षों पहले तक हालात ऐसे नहीं थे। नीतू एक आम गृहणी सा जीवन व्यतीत कर रही थीं। पति की आय अधिक नहीं थी, घर का खर्च बस जैसे-तैसे चल रहा था। नीतू भी अपने पति का सहयोग करना चाहती थीं लेकिन उनको कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। इसी बीच उनको यह ज्ञात हुआ कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों का गठन हो रहा है। जिसके बाद नीतू शर्मा ने अपने आस-पास की महिलाओं के साथ मिलकर स्वयं सहायता समूह बनाया। जिसके बाद डे-एनयूएलएम के घटक सामाजिक गतिशीलता संस्थागत विकास के अंतर्गत एसएचजी को रिवाल्विंग फंड तथा बैंक लिंकेज के पश्चात समूह की महिलाओं ने मौजेक बनाने का कार्य प्रारंभ किया। जल्द ही समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए गए मौजेक लोगों को पसंद आने लगे व बाजार में उक्त उत्पाद की मांग बढ़ गई। जिससे बड़ी संख्या में उत्पाद बनाने के कारण आज महिलाओं की आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो गई है। इतना ही नहीं समूह की महिलाओं के द्वारा आंतरिक रूप से छोटी-छोटी बचत करके आंतरिक लेनदेन के माध्यम से साहूकारों के द्वारा किए जाने वाले आर्थिक व सामाजिक शोषण से भी मुक्ति मिल गई है।

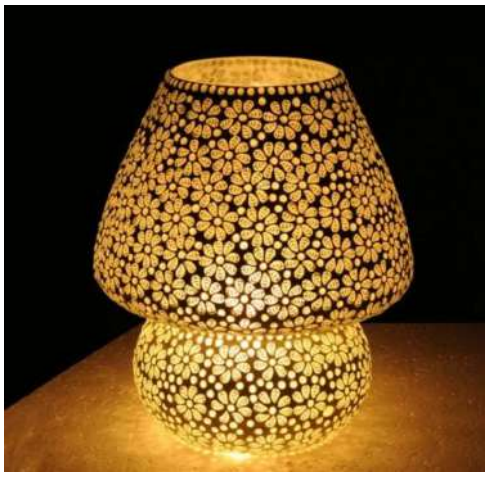

Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban),UP
@PMAYU_UP

आज दिनांक 08 जुलाई 2025 को निदेशक सूडा, श्रीमती अपूर्वा दुबे ने वर्चुअल माध्यम से समस्त जनपदों में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 तथा मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना की प्रगति की समीक्षा की।

#PMAYUrbanUP #UPSUDA

DAY-NULM UTTAR PRADESH @nulmup · Jul 22

डे-एनयूएलएम ने प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी के दलदल से बाहर निकालकर उनको स्वरोजगार के लिए न सिर्फ प्रेरित किया है बल्कि एकल व समूह ऋण देकर आर्थिक संबल भी प्रदान किया है।

#SUDA #UPSUDA #SEPI #SEPG #EmpoweringIndia
#EmpoweringwithDAYNULM

Pradhan Mantri Awas Yojana (Ur... @PMAY... · Jun 27 Promote

पीएमएवाई-यू ने गरीबों व जरूरतमंदों को सिर्फ छत व चारदीवारी ही नहीं दी है बल्कि बेरोजगारी से लड़ने का सशक्त माध्यम भी दिया है। कुछ ऐसी ही कहानी है गाजियाबाद निवासी श्री नवनीत पाल की।

pmayu_up and 2 others
10 July

आज

पीएम आवास जरूरतमंदों के सुनहरे व सुरक्षित भविष्य की बुनियाद-कुलदीप

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से गरीबों व जरूरतमंदों को मिलने वाले घर सिर्फ चारदीवारी व छत ही नहीं हैं बल्कि यह उनके सुनहरे व सुरक्षित भविष्य की बुनियाद भी है। उक्त बातें शुक्रवार को सूडा भवन में संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एमएच), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार कुलदीप नारायण, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 एवं लाइट हाउस प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहीं। समीक्षा बैठक में संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के बीएलसी घटक में लम्बित 64,105 आवासों का कार्य नियमित रूप से अनुश्रवण करके मिशन अवधि दिसम्बर 2025 तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाये, जिसके सन्दर्भ में निदेशक सूडा अपूर्वा दुबे द्वारा लम्बित आवासों को मिशन अवधि में पूर्ण किये जाने का आश्वासन दिया गया। संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के बीएलसी घटक के अन्तर्गत उन यूएलबी हेतु स्वीकृति का प्रयास किया जाये, जिनमें पीएमएवाई-यू 1.0 में न्यूनतम आवास स्वीकृत किये गये हैं। इसके साथ ही एएचपी घटक में लम्बित 16,772 आवासों को मिशन अवधि में पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये, जिसमें आ रही कठिनाइयों के निवारण हेतु आवास एवं विकास परिषद एवं आवास बन्धु तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गयी।

पंजाब केसरी NATIONAL

प्रधानमंत्री आवास योजना से हुआ गरीबों का सपना पूरा

लखनऊ, (पंजाब केसरी): प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से गरीबों व जरूरतमंदों को मिलने वाले घर सिर्फ चारदीवारी व छत ही नहीं हैं बल्कि यह उनके सुनहरे व सुरक्षित भविष्य की बुनियाद भी है। यह बातें कुलदीप नारायण, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एमएच), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 एवं लाइट हाउस प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा के दौरान कही। बैठक में संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के बीएलसी घटक में लम्बित 64,105 आवासों का कार्य नियमित रूप से अनुश्रवण करके तय समय में 2025 तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाये, इस बाबत निदेशक सूडा श्रीमती अपूर्वा दुबे द्वारा लम्बित आवासों को मिशन अवधि में पूर्ण किये जाने का आश्वासन दिया गया। संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के बीएलसी घटक के अन्तर्गत उन यूएलबी के लिए स्वीकृति का प्रयास किया जाये, जिनमें पीएमएवाई-यू 1.0 में न्यूनतम आवास स्वीकृत किये गये हैं। इसके साथ ही एएचपी घटक में लम्बित 16,772 आवासों को मिशन अवधि में पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये, जिसमें आ रही कठिनाइयों के

निवारण हेतु आवास एवं विकास परिषद एवं आवास बन्धु तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गयी, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के एएचपी घटक के लिए संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी आबादी वाले प्रदेश में किफायती दरों पर आवासीय परिसरों के निर्माण की संख्या को बढ़ाना जरूरी है, जिससे लोगों को कम लागत में सभी बुनियादी सुविधाओं से युक्त आवासीय परिसर उपलब्ध हो। इन परिसरों के भूमि अधिग्रहण के लिए आसपास की वास्तविक व शहर से दूरी का भी विशेष ध्यान रखा जाये। एएचपी घटक में वास्तविक आवश्यकता का आंकलन करने के पश्चात ही परियोजनाओं को स्वीकृत कराया जाये। लाइट हाउस प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, भारत सरकार द्वारा उक्त परियोजना के अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये, जिसके क्रम में आवास शाह, मैo जैम सस्टेनेबल हाउसिंग ने 10 अगस्त, 2025 तक अवशेष कार्यों को पूर्ण कराये जाने के लिए आश्वस्त किया गया।

दैनिक जागरण

लखनऊ, 26 जुलाई, 2025

जल्द पूरा कराएं लाइट हाउस प्रोजेक्ट के लंबित कार्य

जासं • लखनऊ: निदेशक सूडा अपूर्वा दुबे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। निदेशक ने कहा, प्रोजेक्ट में जो भी काम अभी तक पूरे नहीं हो पाए हैं, उनको त्वरित गति से पूरा कराके लाभार्थियों को जल्द उनके आवासों पर कब्जा दिलवा जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत अवध विहार योजना में लाइट हाउस प्रोजेक्ट बना है। नवीनतम तकनीकी टेंट-इन प्लेस-फार्मवर्क सिस्टम विद-प्रीकास्ट स्ट्रक्चर पर आधारित निर्माण की जिम्मेदारी जैम सस्टेनेबल हाउसिंग एलएलपी को दी गई थी। परियोजना में कुल 1040 फ्लैटों का निर्माण किया गया है लेकिन, कई कारणों के चलते निर्माण करने वाली कंपनी ने अब भी कुछ फ्लैटों की फिनिशिंग का कार्य पूरा नहीं किया है, जिससे आवंटियों को उनके घरों का कब्जा नहीं मिल पा रहा। आवंटियों ने लिफ्ट से संबंधित समस्याओं की शिकायत की थी।

प्रोजेक्ट देखने निदेशक सूडा परिसर पहुंचीं और निर्माण संस्था के जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल-जवाब किया। निदेशक सूडा ने निर्माण संस्था के अधिकारियों से कहा, सभी अपूर्ण कार्य जल्द पूरे किए जाएं। निदेशक सूडा ने वहां रहने वाले लाभार्थियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का निस्तारण जल्द कराया जाएगा। यहां कार्यक्रम अधिकारी सूडा अतुल सिंह चौहान, निर्माण संस्था जैम सस्टेनेबल हाउसिंग एलएलपी के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार

लखनऊ — एक सम्पूर्ण अखबार

दिसंबर तक पूर्ण करें 64,105 आवासों का कार्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के बीएलसी घटक में लम्बित 64,105 आवासों का कार्य मिशन अवधि दिसम्बर, 2025 तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। यह निर्देश आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक कुलदीप नारायण ने दिए हैं।

गोमती नगर स्थित सूडा भवन में शहरी आवासों की समीक्षा करते संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक कुलदीप नारायण।

शुक्रवार को सूडा भवन में संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 एवं लाइट हाउस प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के बीएलसी घटक में 64,105 आवास लंबित मिले। जिन्हें नियमित अनुश्रवण करके मिशन अवधि दिसम्बर तक हर हाल में पूर्ण करने निर्देश दिए। साथ ही एएचपी घटक में लम्बित 16,772 आवासों को मिशन अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसमें आ रही कठिनाइयों के निवारण के लिए, आवास एवं विकास परिषद एवं आवास बन्धु तथा एलडीए के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के एएचपी घटक के लिए बताया कि बड़ी आबादी वाले उत्तर प्रदेश में किफायती दरों पर आवासीय परिसर के निर्माण की संख्या को बढ़ाना जरूरी है। इससे लोगों को कम लागत में सभी बुनियादी सुविधाओं से युक्त आवासीय परिसर उपलब्ध हो सकेगा। लाइट हाउस प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए 10 अगस्त तक अवशेष कार्यों को पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में निदेशक सूडा अपूर्वा दुबे, वित्त नियन्त्रक संजीव गुप्ता, सहायक निदेशक मोनिका शर्मा आदि अधिकारी उपस्थित रहे।